लाने और कोयले की उत्पादन लागत में किफायत करने की संभावनाओं की जांच करने के लिए नियुक्त किया था। परन्तु यदि उत्पादन निवेशों की लागत और मजदूरी बढ़ी तो कोयले की उत्पादन लागत को कम करना संभव नहीं होगा।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) The average cost of production of coal in the country from April to December, 1978 is Rs. 87.2 per tonne of saleable coal.

(b) and (c) The cost of coal production depends on productivity, wages and the cost of inputs. The coal companies have been asked to implement the recommendations of the Committee which the Government appointed to examine the possibilities of improving the efficiency of coal mining and bringing about economies in the cost of production of coal. In the event of the cost of inputs and the wages going up, it will, however, not be possible to bring down the cost of production of coal.]

आयातित तथा स्वदेशी कोयले की लागत म अन्तर

1728. **श्री कलराज मिश्र :**
श्री हरि शंकर भाभड़ा :

क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आयातित तथा स्वदेशी कोयले की लागत में काफी अन्तर है ; और

(ख) यदि हां, तो इस अन्तर की प्रतिशतता क्या है ?

†[**Difference in cost of imported and indigenous coal**

1728. SHRI KALRAJ MISHRA:
SHRI HARI SHANKAR BHABHRA:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is considerable difference between the cost of imported and indigenous coal; and

(b) if so, what is the percentage of the differences?]

इस्पात और खान मंत्री (श्री बीजू पटनायक) : (क) और (ख) इस्पात कारखानों को आयातित कोककर कोयल कारखाने में पहुंचने पर लगभग 600 रुपए प्रति टन पडेगा जबकि देशीय कोककर कोयला कारखाने में पहुंचने पर लगभग 200 रुपए प्रति टन पड़ता है। इस प्रकार मूल्य में 200 प्रतिशत का अन्तर है।

†[THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI BIJU PATNAIK): (a) and (b) The cost of imported coking coal as delivered to the steel plants would be around Rs. 600 per tonne as against the landed price of about Rs. 200 per tonne for the indigenous coking coal. The price difference is, therefore, of the order of 200 per cent.]

कोयले का उत्पादन

1729. **श्री हरि शंकर भाभड़ा :**
श्री कलराज मिश्र :
श्री एस० के० वैंकटपायन :
श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी :
श्री श्रीधर वासुदेवराव धाबे :
श्री जहरलाल बनर्जी :
श्री एम० आनन्दम :
श्री मुल्क गोविन्द रेड्डी :
श्री किशन लाल शर्मा :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछली बाढ़ों से पूर्व अप्रैल के महीने की तुलना

†[]English translation.

में गत नवम्बर और दिसम्बर के महीनों के दौरान कोयले का अधिक उत्पादन हुआ था;

(ख) यदि हां, तो देश में कोयले की वर्तमान कमी के क्या कारण हैं ;

(ग) इस कमी को दूर करने के लिए एक सुव्यवस्थित वितरण प्रणाली के आरम्भ न किए जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) 1975–76, 1976–77 और 1977–78 के दौरान देश में कोयले के उत्पादन का राज्यवार ब्यौरा क्या है ?

†[**Production of coal**]

1729. SHRI HARI SHANKAR BHABHRA:
SHRI KALRAJ MISHRA:
SHRI S. K. VAISHAMPAYEN:
SHRI ARVIND GANESH KULKARNI:
SHRI S. W. DHABE:
SHRI JAHARLAL BANERJEE:
SHRI M. ANANDAM:
SHRI MULKA GOVINDA REDDY:
SHRI KISHAN LAL SHARMA:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the more coal was produced in the months of November and December last than in the month of April before the last floods;

(b) if so, what are the reasons for the present shortage of coal in the country;

(c) what are the reasons for not starting a sound distribution system to remove this shortage; and

(d) what are the details of coal production in the country, State-wise, during 1975-76, 1976-77 and 1977-78]

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) जी हां। अप्रैल, 1978 में हुए 78.48 लाख टन कोयले के उत्पादन की तुलना में नवम्बर, 1978 तथा दिसम्बर, 1978 मे कोयले का उत्पादन क्रमशः 81.91 लाख टन और 91.68 लाख ट हुआ था।

(ख) चालू वर्ष (अप्रैल, 1978 से फरवरी, 1979) के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्पादन हुआ है। खान मुहानों पर कोयले की कोई कमी नहीं है। खान मुहाना स्टाक 31–10–1978 के 9.9 मिलियन टन से बढ़ कर 28–2–1979 को 12.9 मिलियन टन हो गया है। फिर भी, गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना मे चालू वर्ष में कोयले का प्रेषण 3.58 मिलियन टन कम हुआ है।

(ग) कोयले का देश में वितरण परिवहन सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धि और राज्य के भीतर राज्य सरकार द्वारा वितरण के विनियमन पर निर्भर करता है। जब परिवहन सुविधायें पर्याप्त होती हैं तो वर्तमान वितरण प्रणाली कुल मिला कर अन्ततः सन्तोषजनक पाई गई है।

†[ ] English translation

(घ) कोयले का राज्यवार उत्पादन नीचे दिया गया है :—

(आंकड़े मिलयन टनों में)

राज्य	1975–76	1976–77	1977–78
पश्चिम बंगाल . .	23.7	24.1	23.3
बिहार . .	41.8	42.3	41.7
महाराष्ट्र . .	3.7	3.5	3.6
उड़ीसा . .	2.2	2.2	2.2
मध्य प्रदेश . .	20.4	20.1	20.6
आंध्र प्रदेश . .	7.4	8.3	8.9
आसाम . .	0.6	0.6	0.7
	99.8	101.1	101.0

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir. The production of coal in November, 1978 and December, 1978 was 81.01 lakh tonnes and 91.68 lakh tonnes respectively, as against the production of 78.48 lakh tonnes in April, 1978.

(b) The production during the current year (April, 1978 to February, 1979) is more as compared to the production in the last year. There is no shortage of coal at the pitheads. Pithead stocks have risen from 9.9 million tonnes on 31st October, 1978 to 12.9 million tonnes on 28th February, 1979. However, despatches in the current year have declined by 3.58 million tonnes as compared to the despatches in the corresponding period in the previous year.

(c) Distribution of coal in the country depends upon the availability of adequate transport facilities and regulation of distribution by the State Governments within the State. When transport facilities are adequate the existing distribution system has by and large been found to be satisfactory.

(d) The coal production State-wise is as follows:

(Figures in million tonnes)

State	1975-76	1976-77	1977-78
West Bengal	23·7	24·1	23·3
Bihar	41·8	42·3	41·7
Maharashtra	3·7	3·5	3·6
Orissa	2·2	2·2	2·2
Madhya Pradesh	20·4	20·1	20·6
Andhra Pradesh	7·4	8·3	8·9
Assam	0·6	0·6	0·7
	99·8	101·1	101·0

†[ ] English translation.